राजस्थान–सरकार

प्रतिवेदन संख्या– 109 (केवल कार्यालय उपयोग हेतु)

कृषि दर्शन, नंवाकुर

व

खेती री बांता कार्यक्रम

पर

विशेष अध्ययन सर्वेक्षण

मई, 2008

प्रबोधन एवं मूल्यांकन शाखा
कृषि निदेशालय, पंत कृषि भवन,
राजस्थान, जयपुर

प्राक्कथन

प्रबोधन एवं मूल्यांकन शाखा द्वारा जारी होने वाले प्रतिवेदनों की संख्या में यह 109वां प्रतिवेदन है। राज्य में उपलब्ध इलेक्ट्रोनिक मिडिया दूरदर्शन एवं आकाशवाणी तंत्र के माध्यम से कृषि ज्ञान के प्रचार–प्रसार हेतु कृषि दर्शन, नवांकुर व खेती री बांता कार्यक्रम कियान्चित किये जा रहे है ।

प्रबोधन एवं मूल्यांकन शाखा द्वारा कृषि दर्शन, नवांकुर व खेती री बांता कार्यक्रम कियान्वयन के प्रभाव तथा उसका मूल्यांकन करने हेतु विशेष अध्ययन सम्पादित किया गया।

मै आशा करता हूं कि अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष एवं सुझाव भविष्य में कार्यक्रम का प्रसारण करने वाली ऐंजेसियों, कृषि विशेषज्ञों, तथा कृषकों के लिये लाभप्रद होगें तथा कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी ढंग से कियान्वित करने में उपयोगी सिद्व होगे ।

(मनोज शर्मा)
आयुक्त कृषि
राजस्थान, जयपुर

मई, 2008

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विषय वस्तु	पेज संख्या
1	मुख्य निष्कर्ष	प.पपप
2	प्रस्तावना	1
3	सर्वेक्षण के बारे मे	2
4	कृषकों का चयन तथा सैम्पल साइज	2.4
5	लाभान्वित कृषकों का वर्गीकरण	4.6
6	कृषि दर्शन कार्यक्रम	7.12
7	नंवाकुर कार्यक्रम	12.19
8	खेती री बांता कार्यक्रम	19.25
9	कार्यक्रम क्रियान्वयन में कठिनाईया व सुझाव	25.26

कृषि दर्शन, नवांकुर व खेती री बांता कार्यक्रम पर विशेष अध्ययन सर्वेक्षण के मुख्य निष्कर्ष

1. सर्वेक्षण हेतु 1883 कृषकों का चयन किया गया, जिसमें से अनुसूचित जाति के कृषक 205, अनुसूचित जन जाति के 254, अन्य पिछडा वर्ग के 1102 व अन्य कृषक 322 थे ।
2. 1883 चयनित कृषकों में से केवल 236 (12.5 प्रतिशत) कृषक निरक्षर पाये गये।

कृषि दर्शन

1. 1883 चयनित कृषकों में से 804 (43 प्रतिशत) ने बताया कि उन्हें कृषि दर्शन कार्यक्रम की जानकारी थी, जबकि 631 (34 प्रतिशत) को प्रसारण समय की जानकारी थी तथा 451 (24 प्रतिशत) द्वारा बताया गया कि उनके द्वारा दिनांक 24.12.2007 से 28.12.2007 तक प्रसारित कार्यक्रम देखा गया ।
2. लाभान्वित कृषकों द्वारा बताया गया कि कार्यक्रम सुनने के बाद कुछ कृषि गतिविधियों में उसका उपयोग भी किया गया ।
3. जिन 451 कृषकों द्वारा यह कार्यक्रम देखा गया उनमें से 258 कृषकों ने बताया कि कार्यक्रम में दिये गये सुझावों को उन्हें क्रियान्वियन किया ।
4. कार्यक्रम की प्रस्तुतिकरण, उपयोगिता, प्रभावशीलता व सामयिकता को कुल सैम्पल साइज मे से क्रमशः 22, 21, 21 व 14 प्रतिशत तथा जिन कृषकों द्वारा यह कार्यक्रम देखा गया उनमें क्रमशः 98, 90, 86 व 81 प्रतिशत कृषकों द्वारा बताया गया कि प्रसारित कार्यक्रम बहुत अच्छा / अच्छा था ।

नवांकुर

1. 1883 चयनित कृषकों में से 338 (18 प्रतिशत) ने बताया कि उन्हे दूरदर्शन पर प्रसारित कार्यक्रम नवांकुर की जानकारी है । 263 (14 प्रतिशत) कृषकों को प्रसारण समय की जानकारी पायी गयी तथा 215 (11 प्रतिशत) को प्रसारण दिवस की जानकारी पाई गई ।
2. सर्वेक्षण के दौरान 1883 कृषकों में से केवल 66(4 प्रतिशत) कृषकों द्वारा बताया गया कि दिनांक 27.12.2007 को प्रसारित कार्यक्रम उनके द्वारा देखा गया है ।
3. जिन 66 कृषकों के द्वारा यह कार्यक्रम देखा गया उनमें से केवल 9 (14 प्रतिशत) कृषकों द्वारा बताया गया कि प्रसारित कार्यक्रम मशरूम की खेती का कियान्वयन उनके द्वारा किया गया तथा 2 कृषकों द्वारा मधुमक्खी पालन का कियान्वयन किया गया ।
4. 247 कृषकों द्वारा यह बताया गया कि उनके द्वारा पूर्व में भी यह कार्यक्रम देखा गया है तथा उनमें से 169 (68 प्रतिशत) कृषक कार्यक्रम की समयावधि तथा 173 (70 प्रतिशत) कृषक कार्यक्रम से संतुष्ट पाये गये ।
5. कार्यक्रम के प्रस्तुतिकरण, उपयोगिता, प्रभावशीलता व सामयिकता के बारें में जिन 247 कृषकों ने इस कार्यक्रम को देखा है उनमें से 47 से 59 प्रतिशत कृषकों द्वारा इसे बहुत अच्छा/ अच्छा बताया गया ।
6. 1883 कृषकों में से 161 (9 प्रतिशत) कृषकों ने बताया कि उन्हें फोन इन कार्यक्रम की जानकारी है । हांलाकि दिनांक 27.12.2007 को केवल 5 कृषकों द्वारा इस कार्यक्रम में भाग लेना बताया ।
7. जिन 129 कृषकों ने फोनइन कार्यक्रम को पूर्व में देखा था उनमें से 73 (57 प्रतिशत) ने बताया कि वो इस कार्यक्रम से संतुष्ट है ।
8. फोन इन कार्यक्रम की प्रस्तुतिकरण, उपयोगिता, प्रभावशीलता व सामयिकता के बारें में 161 में से लगभग 37 से 40 प्रतिशत कृषक इसे बहुत अच्छा / अच्छा मानते थे ।

खेती री बांता

1. 1883 कृषकों में से 570 (30 प्रतिशत) कृषकों ने बताया कि उनको खेती री बांता कार्यक्रम के विषय में जानकारी है तथा 387 (21 प्रतिशत) कृषकों ने बताया कि वो यह कार्यक्रम सुनते है ।
2. फील्ड वेस कृषकों के साक्षात्कार/अनुभवों के रिकार्डिंग के प्रसारण के बारें में 119 (21 प्रतिशत) कृषकों द्वारा इसे बहुत अच्छा या अच्छा बताया गया, जबकि इस सप्ताह कृषि कार्य के बारे में 299 (52 प्रतिशत) ने इसे बहुत अच्छा /अच्छा बताया ।
3. 570 कृषकों में से 158 (28 प्रतिशत) ने बताया कि खेती री बांता कार्यक्रम में विशेषज्ञों/फोन इन कार्यक्रम द्वारा सुझावों को अपने खेत में अपनाया है।
4. 134 कृषकों ने बताया कि उन्होने दिनांक 22.12.2007 या 25.12.2007 को प्रसारित फोन इन कार्यक्रम को सुना है तथा 15 कृषकों ने बताया कि उन्होने इसमें भाग लिया है । लगभग 33 प्रतिशत कृषकों ने कार्यक्रम के प्रस्तुतिकरण, उपयोगिता, प्रभावशीलता व सामयिकता के बारें में इसे बहुत अच्छा/ अच्छा बताया गया ।

कृषि दर्शन, नवांकुर व खेती री बांता कार्यक्रम के कियान्वयन का मूल्यांकन

1. प्रस्तावना :–

कृषि विभाग द्वारा कृषकों तक उन्नत कृषि ज्ञान का प्रचार–प्रसार, प्रिन्ट तथा इलेक्ट्रोनिक मिडिया के माध्यम से योजनावद्ध रूप से इस प्रकार किया जा रहा है कि कृषक उसे सहजता से समझ सके तथा अपना सके । राज्य स्तर पर कृषि विभाग द्वारा जहां एक ओर दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के माध्यम से तकनीकी ज्ञान का प्रचार–प्रसार किया जा रहा हे वहीं दूसरी ओर खेती री बांता बुलेटिन का मासिक प्रकाशन भी किया जा रहा है ।

राज्य में उपलब्ध इलेक्ट्रोनिक मिडिया दूरदर्शन एवं आकाशवाणी द्वारा कृषि ज्ञान के प्रचार–प्रसार में उपयोग हेतु कृषि विभाग द्वारा विशेष कार्यक्रम चलाये जा रहे है। दूरदर्शन पर कृषि दर्शन एवं नंवाकूर कार्यक्रम तथा आकाशवाणी पर खेती री बांता कार्यक्रम एवं रेडियो पर कृषि शिक्षा कार्यक्रम चलाये जा रहे है। खेती री बांता कार्यक्रम राज्य के सभी आकाशवाणी केन्द्रों से प्रतिदिन सांयकाल 7.45 से 8.15 तक कृषकोपयोगी जानकारी एवं प्रत्येक मंगलवार, गुरूवार व शनिवार को फोन इन कार्यक्रम प्रसारित किया जा रहा है। रेडियो कृषि शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत आकशवाणी केन्द्र, उदयपुर, श्रीगंगानगर(सूरतगढ) एवं अलवर केन्द्रो से आई.सी.डी.पी.काटन योजनान्तर्गत कपास की उन्नत कृषि तकनीक विषय पर 12 पाठों की श्रृंखलाओ का प्रसारण किया गया । नवांकुर कार्यक्रम के अन्तर्गत दूरदर्शन केन्द्र, जयपुर से प्रत्येक गुरूवार को साय 7.30 से 8.00 बजे तक प्रायोजित कार्यक्रम का प्रसारण किया जाता है । कृषकों की समस्याओं के समाधान के लिये नवांकुर में माह के दूसरे व चौथे बुधवार को **दूरभाष नं. 5116240** पर प्रातः 11.00 से 12.00 बजे तक कृषकों द्वारा प्रश्न पूछे जाते है, जिनका समाधान कृषि विशेषज्ञों द्वारा फोन पर ही किया जाता है । इसका प्रसारण अगले दिन गुरूवार को सायः 7.30 बजे किया जाता है । खेती री बांता मासिक अखबार कृषि विभाग द्वारा हर माह प्रकाशित किया जाता है एवं 12/–रूपये वार्षिक शुल्क पर कृषकों को घर बैठे उपलब्ध कराया जाता है।

2 सर्वेक्षण के बारे में :–

राज्य स्तरीय जन संचार माध्यम मूल्यांकन समिति की दिनांक 31.5.2007 को प्रमुख शासन सचिव कृषि की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कृषि दर्शन, नवांकुर व खेती री बांता कार्यक्रम के कियान्वयन का मूल्यांकन कराने हेतु निर्णय लिया गया । निर्णय के अनुसार

मूल्यांकन कार्य, विभाग के प्रबोधन एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ द्वारा सम्पादित करवाया गया । यह भी निर्देश दिये गये कि एक सप्ताह पूर्व प्रसारित कार्यक्रमों की अवधि, समय, गुणवत्ता व प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया जावे।

उक्त निर्देशों की पालनार्थ प्रबोधन एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ द्वारा कृषि दर्शन, नवांकुर, खेती री बांता कार्यक्रम के मूल्यांकन हेतु एक नमूना सर्वेक्षण प्रपत्र तैयार कर उसका फील्ड टैस्ट किया गया तथा प्राप्त सुझावों का समावेश कर सर्वेक्षण प्रपत्र तैयार किया गया । तदनुरूप यह निर्णय लिया गया कि दूरदर्शन/आकाशवाणी पर दिनांक 24.12.2007 से 28.12.2007 तक प्रसारित कृषि दर्शन कार्यक्रम, दिनांक 20.12.2007 से 27.12.2007 तक प्रसारित नवांकुर कार्यक्रम तथा दिनांक 22.12.2007 से 28.12.2007 तक प्रसारित खेती री बांता कार्यक्रम के मूल्यांकन हेतु सर्वेक्षण कार्य दिनांक 29.12.07 से 4.1.2008 तक पूर्ण किया जावे ।

3 **सर्वेक्षण का सैम्पल साइज :–**

सर्वेक्षण कार्य कृषि अन्वेषको द्वारा सम्पादित किया गया। सर्वेक्षण हेतु प्रत्येक उप जिले में दो सहायक कृषि अधिकारी केन्द्रों का चयन रेण्डम विधि से कर प्रत्येक चयनित सहायक कृषि अधिकारी केन्द्र से दो कृषि पर्यवेक्षक केन्द्रों का चयन रेण्डम विधि से किया गया । इस प्रकार से चयनित प्रत्येक कृषि पर्यवेक्षक केन्द्र से एक मण्डल का चयन रेण्डम विधि से कर चयनित मण्डल में से 10 कृषकों से सम्पर्क कर प्रश्नावली की सूचना एकत्रित करने के निर्देश कृषि अन्वेषक को दिये गये । सर्वेक्षण कार्य दिनांक 29.12.2007 से 4.1.2008 तक पूर्ण करने के निर्देश दिये गये तथा यह भी निर्देशित किया गया कि दिनांक 20.12.2007 से 28.12.2007 तक प्रसारित हुए कार्यक्रमों के बारें में ही जानकारी प्राप्त की जावे।

प्रस्तावित सैम्पल साइज व सर्वेक्षण में चयनित कृषकों का जिलेवार विवरण निम्न प्रकार है :–

जिला	सैम्पल साइज	
	लक्ष्य	प्राप्ति
1	2	3
1. अजमेर	80	76
2. जयपुर	80	80
3. दौसा	40	40
4. अलवर	120	120
5. भरतपुर	80	80
6. धोलपुर	40	30
7. सवाई माधोपुर	80	70
8. करोली	40	37
9. कोटा	40	40
10. बून्दी	40	40
11. बांरा	80	80
12. झालावाड	80	80
13. टोंक	80	75
14. बांसवाडा	40	40
15. डूंगरपुर	40	40
16. उदयपुर	80	80
17. भीलवाडा	120	120
18. चित्तौडगढ	160	160
19. राजसमन्द	120	120
20. पाली	120	120
21 जालोर	80	80
22. सिरोही	40	40
23. नागोर	40	40
24. जोधपुर	40	35
25. श्रीगंगानगर	40	40
26. सीकर	80	80
27. झून्झनू	40	40
योग	**1920**	**1883**

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि 1920 लाभान्वित कृषकों का चयन कर सर्वेक्षण कार्य सम्पादित करने का लक्ष्य था, परन्तु वास्तव में 1883 कृषकों का सर्वेक्षण किया गया जो कि निर्धारित लक्ष्य का 98 प्रतिशत है ।

4. कृषकों का जातिगत वर्गीकरण :–

सर्वेक्षण हेतु चयनित कृषकों का जाति के आधार पर वर्गीकरण निम्नानुसार है :

क.सं.	जिला	कुल सर्वेक्षित कृषक	जतिगत वर्गीकरण			
			अनु.जाति	अनु.जन जाति	अन्य पिछडा वर्ग	सामान्य
1	2	3	4	5	6	7
1	अजमेर	76	6	0	70	0
2	जयपुर	80	6	3	61	10
3	दौसा	40	7	31	1	1
4	अलवर	120	15	12	72	21
5	भरतपुर	80	1	0	59	20
6	धोलपुर	30	10	0	7	13
7	सवाई माधोपुर	70	6	39	18	7
8	करोली	37	6	10	10	1
9	कोटा	40	1	2	32	5
10	बून्दी	40	2	10	27	1
11	बांरा	80	12	5	46	17
12	झालावाड	80	4	1	68	7
13	टोंक	75	19	3	45	8
14	बांसवाडा	40	0	40	0	0
15	डूंगरपुर	40	2	21	4	13
16	उदयपुर	80	6	36	15	23
17	भीलवाडा	120	20	7	72	21
18	चित्तौडगढ	160	18	5	116	21
19	राजसमन्द	120	9	5	75	31
20	पाली	120	12	3	65	40
21	जालोर	80	15	6	39	20
22	सिरोही	40	14	4	18	4
23	नागोर	40	3	0	26	11
24	जोधपुर	35	2	0	30	3
25	श्रीगंगानगर	40	0	0	30	10
26	सीकर	80	6	0	66	8
27	झून्झनू	40	3	1	30	6
	योग	**1883**	**205**	**254**	**1102**	**322**

सर्वेक्षण तालिका से स्पष्ट है कि सर्वेक्षण हेतु चयनित कृषकों में से 11 प्रतिशत कृषक अनुसूचित जाति के, 13 प्रतिशत कृषक अनूसूचित जन जाति के, 59 प्रतिशत अन्य पिछडा वर्ग तथा शेष 17 प्रतिशत कृषक सामान्य श्रेणी के थे। सर्वेक्षण आंकडों से ज्ञात होता है कि हर वर्ग के कृषक कृषि संबधी जानकारी प्राप्त करने के लिये कृषि प्रसारणों को सुनते है तथा लाभ प्राप्त करते है ।

5 कृषकों का शैक्षणिक स्तर :–

सर्वेक्षण हेतु चयनित कृषकों के शैक्षणिक योग्यता की जानकारी प्राप्त करने हेतु आकंडे सर्वेक्षण प्रपत्र में एकत्रित किये गये है। सर्वेक्षण परिणामों का विवरण निम्न प्रकार है :–

क.सं.	जिला	कुल सर्वेक्षित कृषक	शैक्षणिक योग्यता			
			निरक्षर	प्राथमिक	उच्च माध्यमिक	स्नातक व अधिक
1	2	3	4	5	6	7
1	अजमेर	76	22	36	16	2
2	जयपुर	80	11	20	43	6
3	दौसा	40	20	7	12	1
4	अलवर	120	22	25	64	9
5	भरतपुर	80	3	17	55	5
6	धोलपुर	30	5	10	12	3
7	सवाई माधोपुर	70	3	20	39	8
8	करोली	37	9	9	17	2
9	कोटा	40	1	11	23	5
10	बून्दी	40	18	13	9	0
11	बांरा	80	7	34	30	9
12	झालावाड	80	0	20	43	17
13	टोंक	75	14	27	30	4
14	बांसवाडा	40	2	17	21	0
15	डूंगरपुर	40	4	25	11	0
16	उदयपुर	80	2	41	36	1
17	भीलवाडा	120	28	51	39	2
18	चित्तौडगढ	160	3	53	92	12
19	राजसमन्द	120	11	59	49	1
20	पाली	120	12	54	52	2
21	जालोर	80	8	36	33	3
22	सिरोही	40	15	4	19	2
23	नागोर	40	1	13	20	4
24	जोधपुर	35	2	19	12	2
25	श्रीगंगानगर	40	2	5	30	3
26	सीकर	80	9	17	41	13
27	झून्झनू	40	2	9	26	3
	योग	**1883**	**236**	**652**	**876**	**119**

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि चयनित कृषकों में से केवल 13 प्रतिशत कृषक निरक्षर थे तथा शेष में से 35 प्रतिशत प्राथमिक स्तर तक शिक्षित तथा 46 उच्च माध्यमिक स्तर तक शिक्षित थे ।

(अ) कृषि दर्शन कार्यक्रम

कृषि दर्शन कार्यक्रम का सोमवार से शुक्रवार को सायंकाल 6 बजे से 6.30 तक दूरदर्शन पर प्रसारण किया जाता है। दिनांक 24.12.2007 से 28.12.2007 तक प्रसारित कार्यक्रम के बारें में कृषकों की राय व उसकी प्रभावशीलता जानने के लिये निर्धारित सर्वेक्षण प्रपत्र में कृषकों से जानकारी प्राप्त कर आंकडे एकत्रित किये गये । सर्वेक्षण परिणामों का विवरण निम्न सारणी में प्रदर्शित किया गया है :–

क्र. सं.	जिला	कुल सर्वेक्षित कृषक	कृषि दर्शन कार्यक्रम के बारे में							
			कार्यक्रम की जानकारी	समय की जानकारी	कार्यक्रम देखा जाता है	24.12.08 से 28.12.08 तक प्रसारित कार्यक्रम देखा	यदि हां तो कब			
							1 दिन पूर्व	2 दिन पूर्व	3 दिन पूर्व	4 दिन या अधिक
1	2	3	4	5	6	8	9	10	11	12
1	अजमेर	76	7	2	2	1	0	0	1	0
2	जयपुर	80	55	38	35	35	1	2	4	28
3	दौसा	40	0	0	0	0	0	0	0	0
4	अलवर	120	54	39	21	6	0	0	1	5
5	भरतपुर	80	44	30	28	29	2	2	1	24
6	धोलपुर	30	0	0	0	0	0	0	0	0
7	स0माधोपुर	70	27	27	26	27	0	2	1	24
8	करोली	37	26	23	25	19	0	5	3	11
9	कोटा	40	22	13	12	12	0	0	2	10
10	बून्दी	40	19	19	15	15	2	3	3	7
11	बांरा	80	28	25	16	16	5	3	1	7
12	झालावाड	80	77	73	63	64	1	8	10	45
13	टोंक	75	33	28	19	18	0	0	0	18
14	बांसवाडा	40	0.	0	0	0	0	0	0	0
15	डूंगरपुर	40	4	2	4	4	0	0	0	4
16	उदयपुर	80	10	5	10	10	0	1	0	9
17	भीलवाडा	120	36	27	24	20	1	4	5	10
18	चित्तौडगढ	160	94	78	64	50	0	6	12	32
19	राजसमन्द	120	29	18	8	8	1	0	0	7
20	पाली	120	52	46	26	24	0	2	0	22
21	जालोर	80	24	20	15	14	1	3	2	8

क्र. सं.	जिला	कुल सर्वेक्षित कृषक	कृषि दर्शन कार्यक्रम के बारे में							
			कार्यक्रम की जानकारी	समय की जानकारी	कार्यक्रम देखा जाता है	24.12.08 से 28.12.08 तक प्रसारित कार्यक्रम देखा	यदि हां तो कब			
							1 दिन पूर्व	2 दिन पूर्व	3 दिन पूर्व	4 दिन या अधिक
22	सिरोही	40	21	12	7	6	0	0	0	6
23	नागोर	40	36	36	34	34	1	2	10	21
24	जोधपुर	35	23	8	7	7	0	5	2	0
25	श्रीगंगानगर	40	24	16	8	6	2	0	2	2
26	सीकर	80	42	31	23	19	1	2	4	12
27	झून्झनू	40	17	15	7	7	0	3	0	4
	योग	**1883**	**804**	**631**	**499**	**451**	**18**	**53**	**64**	**316**

कुल चयनित 1883 कृषकों में से 804 (43 प्रतिशत) ने बताया कि कृषि दर्शन कार्यक्रम की उन्हें जानकारी है तथा 631(34 प्रतिशत) कृषक ही प्रसारण के समय की पूर्ण जानकारी रखते थे। लाभान्वित कृषकों में से केवल 27 प्रतिशत (499) कृषकों द्वारा बताया गया कि वो प्रायः कृषि दर्शन कार्यक्रम देखते है, हालांकि दिनांक 24.12.2007 से 28.12.2007 तक प्रसारित कार्यक्रम सर्वेक्षण आंकडों के अनुसार केवल 24 प्रतिशत(451) कृषकों द्वारा ही देखा गया। अतः सर्वेक्षण आंकडे इंगित करते है कि यह कार्यक्रम कृषकों द्वारा देखा तो जाता है, परन्तु कृषकों का इस कार्यक्रम के प्रति आर्कष्ण कम है । अतः यह आवश्यक प्रतीत होता है कि इस बारें में उन कारणों का पता लगाया जावे जो कि कृषकों को कृषि सम्बध्री लाभप्रद प्रसारण सुनने से वंचित करते है तथा उनका निराकरण किया जावे। कृषि दर्शन कार्यक्रम का समय सायः 6 बजे से साय 6.30 बजे तक है, जबकि प्रायः कृषक इस अवधि में अन्य कार्यो में व्यस्त रहते है । अतः इसे परिवर्तित करने पर विचार किया जावे ।

दिनांक 24.12.2007 से 28.12.2007 तक प्रसारित कार्यक्रम के बारे में कृषकों की राय:–

इस अवधि में कृषि दर्शन कार्यक्रम के अन्तर्गत निम्न कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया:–

दिनांक	प्रसारण
24.12.2007	इस सप्ताह के कृषि कार्य पर चर्चा
25.12.2007	(!) रबी फसलों में इस माह किये जाने वाले कृषि कार्य (!!) सरसों की खडी फसल की संभावना खेती की मंडी भाव
26.12.2007	(!) जैविक खेती की नीति (!!) कृषि दर्शन पाठशाला (!!!) न्यूनतम समर्थन मूल्य किसानों की चाहत
27.12.2007	(!) जालोर के प्रगतिशील किसान की कहानी (!!) कृषि दर्शन पाठशाला
28.12.2007	(!) आत्मा योजना श्रीगंगानगर (!!) सरसों व चने में उर्वरक प्रबन्धन

सर्वेक्षण कार्य शुरू करने से पूर्व सर्वेक्षणकर्ताओं को यह निर्देशित किया गया था कि एक सप्ताह पूर्व प्रसारित कार्यक्रम का मूल्यांकन सर्वेक्षण किया जावे । अतः सर्वेक्षण के लिये दिये गये दिशा निर्देशों में कृषि दर्शन कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 24.12. 2007 से 28.12.2007 तक प्रसारित कार्यक्रम के बारे में ही कृषकों की राय प्राप्त की गयी । सर्वेक्षण द्वारा यह भी जानकारी प्राप्त की गई कि प्रसारण में बताये गये सुझावों में से किस कृषि गतिविधि के बारे में दिये गये सुझावों को कृषकों द्वारा अपनाया गया तथा उसके बारे में कृषक की राय क्या थी। सर्वेक्षण से प्राप्त आंकडों को निम्न तालिका में दर्शाया गया है :–

कार्यक्रम का नाम	जिलों की संख्या	कृषको की संख्या,जिन्होने सुझावों का क्रियान्वयन किया	भविष्य में जो कृषक क्रियान्वित करना चाहते है
1	2	3	4
1.पाले से बचाव	13	92	76
2. जैविक खाद का उपयोग	6	8	38
3.संतुलित उर्वरक प्रयोग	8	82	19
4. पौध संरक्षण	12	80	88
योग	**39**	**258**	**221**

दिनांक 24.12.2007 से 28.12.2007 तक प्रसारित कार्यक्रम को जिन 451 कृषकों ने सुना उनमें से 258 कृषकों ने बताया कि उनके द्वारा प्राप्त सुझावों का क्रियान्वयन किया गया । 13 विभिन्न जिलों के 92 कृषकों ने बताया कि पाले के बारे में दिये गये सुझावों का उन्होने अपने खेतों पर क्रियान्वयन किया । जैविक खेती के बारे में 6 जिलों के 8 कृषकों ने ही बताया कि उन्होने सुझावों का क्रियान्वयन किया है, हांलाकि 38 कृषकों ने मत व्यक्त किया कि आगामी वर्षो में वे जैविक खेती सम्बधी सुझावों का क्रियान्वयन करेगें। 82 कृषकों ने संतुलित उर्वरक प्रयोग सम्बन्धी सुझावों का क्रियान्वयन किया तथा 80 कृषकों ने पौध संरक्षण संबधी सुझावों का । 221 कृषकों द्वारा बताया गया कि आगामी वर्षो में भी उनके द्वारा प्राप्त सुझावों का क्रियान्वयन किया जावेगा । जिन कार्यक्रमों का कृषकों द्वारा कियान्वयन किया गया उनका विस्तृत जिलेंवार विवरण परिशिष्ठ–1 में दर्शाया गया है । यहां यह उल्लेख करना भी उचित रहेगा कि दिनांक 24.12.2007 से 28.12.2007 तक प्रसारित कुछ कार्यक्रमों यथा मडी भाव, न्यूनतम समर्थन मूल्य, आत्मा योजना जैसे कार्यक्रमों के बारें में कृषकों द्वारा कोई मत व्यक्त नहीं किया गया ।

कार्यक्रम के बारे में कृषकों की राय

सर्वेक्षण के दौरान कृषकों के प्रसारित कार्यक्रम के प्रस्तुतिकरण, उपयोगिता, प्रभावशीलता, सामयिकता व समयानुसार जानकारी प्रदान करने के बारें में राय

प्राप्त की गयी । सर्वेक्षण के आधार पर प्राप्त आंकडों का प्रस्तुतिकरण निम्न तालिका में किया गया है :–

जिला	कुल सर्वेक्षित कृषक	प्रस्तुतिकरण				उपयोगिता				प्रभावशीलता				सामयिकता			
		बहुत अच्छा	अच्छा	औसत	खराब	बहुत अच्छा	अच्छा	औसत	खराब	बहुत अच्छा	अच्छा	औसत	खराब	बहुत अच्छा	अच्छा	औसत	खराब
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**	**14**	**15**	**16**	**17**	**18**
अजमेर	76	1	–	–	–	–	1	–	–	–	1	–	–	–	1	–	–
जयपुर	80	6	19	10	–	10	15	10	–	10	15	10	–	8	17	10	–
दौसा	40	0	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
अलवर	120	5	9	1	–	3	12	–	–	3	10	2	–	2	11	2	–
भरतपुर	80	2	24	1	–	1	24	1	–	1	24	1	–	1	24	1	–
धोलपुर	30	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
स0 माधोपुर	70	15	12	–	–	25	2	–	–	13	14	–	–	14	13	–	–
करोली	37	7	18	–	–	18	7	–	–	19	5	–	–	7	10	7	–
कोटा	40	6	6	–	–	9	3	–	–	5	7	–	–	–	5	7	–
बून्दी	40	1	12	2	–	1	7	7	–	–	5	10	–	–	2	13	–
बांरा	80	–	15	1	–	–	15	1	–	–	15	1	–	–	15	1	–
झालावाड	80	24	31	6	–	7	48	6	–	9	50	2	–	10	51	–	–
टोंक	75	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
बांसवाडा	40	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
डूंगरपुर	40	–	–	2	–	–	2	2	–	–	2	2	–	–	2	2	–
उदयपुर	80	1	3	6	–	–	6	4	–	–	3	7	–	–	3	7	–
भीलवाडा	120	4	16	4	–	2	18	4	–	1	19	4	–	–	16	8	–
चित्तौडगढ	160	33	26	5	–	29	23	12	–	26	22	16	–	24	26	14	–
राजसमन्द	120	1	7	–	–	–	8	–	–	–	7	1	–	–’	8	–	–
पाली	120	–	25	–	–	3	19	6	–	2	14	6	–	2	17	9	–
जालोर	80	7	3	–	–	8	2	–	–	6	4	–	–	5	5	–	–
सिरोही	40	3	4	–	–	3	4	–	–	1	6	–	–	3	4	–	–
नागोर	40	19	15	–	–	19	15	–	–	19	15	–	–	19	15	–	–
जोधपुर	35	–	7	–	–	–	7	–	–	–	7	–	–	–	7	–	–
श्रीगंगानगर	40	2	4	–	–	2	4	–	–	2	4	–	–	2	4	–	–
सीकर	80	7	5	7	–	5	10	4	–	3	11	5	–	7	10	2	–
झून्झनू	40	7	–	–	–	–	7	–	–	–	7	–	–	–	4	–	–
योग	**1883**	**151**	**263**	**45**	–	**145**	**259**	**57**	–	**120**	**267**	**67**	–	**104**	**263**	**82**	–

कृषि दर्शन कार्यक्रम की प्रस्तुतिकरण के बारें में कुल सैम्पल साइज 1883 में से 414 (22 प्रतिशत) तथा जिन 451 कृषक द्वारा इसे देखा गया उनमें से 414 अर्थात 98 प्रतिशत द्वारा बहुत अच्छा, / अच्छा बताया । कार्यक्रम की उपयोगिता के बारे में 1883 में से 404 (21 प्रतिशत) तथा 451 में से 404 (90 प्रतिशत) कृषकों की राय थी की उपयोगिता की दृष्टि से कार्यक्रम बहुत अच्छा/ अच्छा था । 1883 में से 387(21 प्रतिशत) तथा 451 में से 387 (86 प्रतिशत) कृषकों ने कार्यक्रम को प्रभाविकता की दृष्टि से बहुत अच्छा/ अच्छा बताया । इसी प्रकार सामयिकता की दृष्टि 1883 में से 367 (14 प्रतिशत) तथा 451 में से 367 (81 प्रतिशत) कृषकों ने कार्यक्रम को बहुत अच्छा/ अच्छा बताया । सर्वेक्षण आंकडों से ज्ञात होता है कि कार्यक्रम के प्रसारण की प्रस्तुतिकरण, उपयोगिता, प्रभावशीलता व सामयिकता के बारें में कुल सैम्पल साइज के अधिकतम 22 प्रतिशत तथा जिन 451 कृषकों द्वारा यह कार्यक्रम देखा गया उनमें से अधिकतम 90 प्रतिशत लाभान्वित कृषक ही यह राय व्यक्त कर पाये कि कार्यक्रम बहुत अच्छा/ अच्छा था । अतः कार्यक्रम प्रसारण के बारें में इन तथ्यों को ध्यान में रखकर भविष्य में आवश्यक सुधार किये जाने चाहिये। यह उचित प्रतीत होता है कि कार्यक्रम का समय बदल कर सायः 7 बजे से सायः 7.30 बजे किया जावे, क्योंकि कृषक सायः 6 से 6.30 बजे तक अन्य कार्यो में व्यस्त रहते है । प्रसारण हेतु एंकरों की संख्या सीमित की जावे व उनके स्थान पर कृषि विशेषज्ञों को अधिक सम्मिलित किया जावे । एंकर कृषि विषय की योग्यता वाले व्यक्ति कों ही रखा जावे । फील्ड आधारित कहांनियों पर जोर दिया जावे । कार्यक्रम में विशेषज्ञ के प्रस्तुतिकरण में कैप्सन पर जोर दिया जावे।

(ब) नंवाकुर कार्यक्रम

दूरदर्शन द्वारा प्रसारित कार्यक्रम नंवाकुर के अन्तर्गत दिनांक 20.12.2007 से 27.12.2007 तक प्रसारित कार्यक्रम विशेषज्ञों की राय एवं फोनइन कार्यक्रम का मूल्यांकन अध्ययन किया गया।

नंवाकुर कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 20.12.2007 को मशरूम की खेती, वर्मी कम्पोस्ट, डेयरी, मार्केटिंग, कम जमीन पर क्या बोयें आदि कार्यक्रमों पर चर्चा के साथ साथ फोनइन कार्यक्रमों के अन्तर्गत दिनांक 20.12.2007 तथा 27.12.2007 को विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की गई ।सर्वेक्षण द्वारा प्राप्त जिलेवार आंकडों का विवरण निम्न प्रकार है :–

जिला	कुल सर्वेक्षित कृषक	नवांकूर कार्यक्रम कि जानकारी				
		प्रसारण की	समय की	दिन की	पूर्व में देखा	20.12.2007 को प्रसारित कार्यक्रम देखा
1	2	3	4	5	6	7
1 अजमेर	76	2	0	0	0	0
2 जयपुर	80	27	22	22	25	1
3 दौसा	40	40	0	0	0	0
4 अलवर	120	11	7	6	7	0
5 भरतपुर	80	28	19	14	18	2
6 धोलपुर	30	0	0	0	0	0
7 स0 माधोपुर	70	6	5	6	6	0
8 करोली	37	3	3	1	2	0
9 कोटा	40	11	9	9	8	0
10 बून्दी	40	12	12	12	11	9
11 बांरा	80	3	0	0	0	0
12 झालावाड	80	57	55	51	51	15
13. टोंक	75	13	13	5	10	0
14. बांसवाडा	40	0	0	0	0	0
15. डूंगरपुर	40	1	1	0	1	0
16. उदयपुर	80	4	1	1	4	0
17. भीलवाडा	120	5	4	3	4	0
18. चित्तौडगढ	160	26	25	25	25	3
19. राजसमन्द	120	6	4	2	2	1
20. पाली	120	24	17	0	16	5
21. जालोर	80	14	8	0	7	2
22. सिरोही	40	2	0	0	0	0
23. नागोर	40	20	20	20	20	15
24 .जोधपुर	35	16	5	5	5	4
25.श्रीगंगानगर	40	22	14	14	7	2
26.सीकर	80	18	14	14	13	5
27.झून्झनू	40	7	5	5	5	2
योग	**1883**	**338**	**263**	**215**	**247**	**66**

सर्वेक्षण आंकडों से ज्ञात होता हे कि 1883 लाभान्वित कृषकों में से 338 (18 प्रतिशत) कृषकों द्वारा बताया गया कि उन्हें कार्यक्रम प्रसारण की जानकारी है तथा 263 (14 प्रतिशत) कृषकों को प्रसारण के समय की भी जानकारी थी । 215 (11 प्रतिशत) कृषकों को प्रसारण दिवस की जानकारी पायी गयी । 247 (13 प्रतिशत) कृषकों द्वारा बताया गया कि उन्होनें पूर्व में भी यह प्रसारण सुना है । जिन 247 कृषकों ने पूर्व में यह कार्यक्रम सुना है उनमें से 169(68 प्रतिशत) कृषक कार्यक्रम की समयावधि से संतुष्ट पाये गये तथा 173 (70 प्रतिशत) कृषक कार्यक्रम से संतुष्ट पाये गये । केवल 66 (4 प्रतिशत) कृषकों द्वारा बताया गया कि उन्होने 20.12.2007 से 27.12.2007 के मध्य प्रसारित नवांकुर कार्यक्रम सुना है। यह भी जानकारी प्राप्त की गई कि दिनांक 20.12.2007 को प्रसारित नंवाकुर कार्यक्रम के अन्तर्गत कौन सी कृषि गतिविधियों का कियान्वयन कृषकों द्वारा किया गया। दिनांक 20.12.2007 को नवांकुर कार्यक्रम के अन्तर्गत विशेषज्ञों द्वारा मशरूम की खेती, वर्मी कम्पोस्ट, डेयरी व मार्केटिंग आदि कार्यक्रमों के बारे में बताया गया था, परन्तु सर्वेक्षण के अन्तर्गत जयपुर तथा भरतपुर जिलें के एक एक कृषक तथा सीकर के 5 कृषकों व झून्झनु के 2 कृषकों द्वारा ही बताया गया कि उन्होने मशरूम की खेती बाबत प्रसारण सुना व उसका कियान्वयन किया । 2 कृषकों द्वारा मधु मक्खी पालन कार्यक्रम का कियान्वयन किया । शेष किसी भी जिले से यह जानकारी प्राप्त नहीं हुई कि प्रसारित कार्यक्रम की किसी गतिविधि को उनके द्वारा सुनकर कियान्वित किया गया। अतः सर्वेक्षण आंकडों से ज्ञात होता हे कि नवांकुर कार्यक्रम सुनने वाले व प्रसारित कार्यक्रम का कियान्वयन करने वाले कृषकों की संख्या काफी कम थी ।

कार्यक्रम के बारे में कृषकों की राय

सर्वेक्षण के अन्तर्गत कृषकों से प्रसारित कार्यक्रम के प्रस्तुतिकरण, उपयोगिता, प्रभावशीलता, सामयिकता व समयानुसार जानकारी के बारे में पूछा गया । सर्वेक्षण के आधार पर प्राप्त आंकडों का जिलेवार विवरण निम्न प्रकार है :–

जिला	कुल सर्वेक्षित कृषक	कृषकों की संख्या जिन्होने कार्यक्रम देखा	प्रस्तुतिकरण				उपयोगिता				प्रभावशीलता				सामयिकता			
			बहुत अच्छा	अच्छा	औसत	खराब	बहुत अच्छा	अच्छा	औसत	खराब	बहुत अच्छा	अच्छा	औसत	खराब	बहुत अच्छा	अच्छा	औसत	खराब
अजमेर	76	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
जयपुर	80	25	1	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	0
दौसा	40	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अलवर	120	7	0	4	1	0	0	3	2	0	0	3	2	0	0	2	3	0
भरतपुर	80	18	1	16	0	0	1	16	0	0	1	16	0	0	1	16	0	0
धोलपुर	30	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
स0माधोपुर	70	6	1	4	0	0	1	4	0	0	0	4	0	0	1	4	0	0
करोली	37	2	0	3	0	0	0	3	0	0	1	2	0	0	2	1	0	0
कोटा	40	8	4	4	0	0	4	4	0	0	3	5	0	0	2	6	0	0
बून्दी	40	11	1	9	1	0	1	4	6	0	0	3	8	0	0	3	8	0
बांरा	80	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
डालावाड	80	51	8	10	0	0	8	9	1	0	9	9	0	0	6	10	2	0
टोंक	75	10	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
बांसवाडा	40	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
डूंगरपुर	40	1	0	1	0	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0
उदयपुर	80	4	0	2	2	0	0	2	2	0	0	0	4	0	0	1	3	0
भीलवाडा	120	4	1	3	0	0	0	4	0	0	0	4	0	0	0	4	0	0
चित्तौडगढ	160	25	11	9	4	0	11	5	8	0	9	5	10	0	13	5	6	0
राजसमन्द	120	2	0	2	0	0	0	2	0	0	0	2	0	0	0	2	0	0
पाली	120	16	0	14	0	0	2	8	4	0	0	10	4	0	0	7	7	0
जालोर	80	7	1	4	0	0	1	4	0	0	1	4	0	0	2	3	0	0
सिरोही	40	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
नागोर	40	20	10	9	1	0	10	9	1	0	10	9	1	0	10	9	1	0
जोधपुर	35	5	0	5	0	0	0	5	0	0	0	5	0	0	0	5	0	0
श्रीगंगानगर	40	7	1	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	0	0	2	0	0
सीकर	80	13	5	0	0	0	4	1	0	0	3	2	0	0	3	2	0	0
झून्झनू	40	5	2	0	0	0	1	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	0
योग	1883	247	47	100	9	0	46	86	24	0	40	86	30	0	42	84	30	0

247 कृषकों द्वारा बताया कि उन्होने नवांकुर कार्यक्रम पूर्व में सुना है उनसे इस कार्यक्रम के प्रस्तुतिकरण, उपयोगिता, प्रभावशीलता व सामयिकता के बारे में पूछा गया । 147 (59 प्रतिशत) कृषकों की राय में कार्यक्रम का प्रस्तुतिकरण बहंत अच्छा/ अच्छा था, 132 (53 प्रतिशत) कृषकों की राय थी कि कार्यक्रम उपयोगिता की दृष्टि से बहंत अच्छा/ अच्छा था, जबकि 116 (47 प्रतिशत) कृषकों की राय थी कि कार्यक्रम की प्रभाविकता बहुत अच्छी/अच्छी है तथा 126(51 प्रतिशत) कृषकों ने कार्यक्रम का सामयिकता की दृष्टि से बहुत अच्छा/अच्छा बताया ।

सर्वेक्षण परिणामों से ज्ञात होता है कि हांलाकि कार्यक्रम देखने व सुनने वाले कृषकों का प्रतिशत 13 प्रतिशत ही है जो कि अपेक्षाकृत काफी कम है परन्तु जो कृषक इस कार्यक्रम को प्रायः देखते है उनमें से लगभग 48–59 प्रतिशत तक कृषक कार्यक्रम को प्रस्तुतिकरण, उपयोगिता, प्रभावशीलता व सामयिकता की दृष्टि से बहुत अच्छा या अच्छा मानते हे । अतः कृषकों की कम संख्या में कार्यक्रम से जुडाव के कारणों का अध्ययन कर अधिकाधिक कृषकों को इस तरफ आकर्षित करने की आवश्यकता है ।

नंवाकुर के अन्तर्गत दिनांक 27.12.2007 को फोनइन कार्यक्रम प्रसारित किया गया था। सर्वेक्षण के दौरान प्रसारित फोनइन कार्यक्रम के बारे में प्रश्नों के माध्यम से आंकडे एकत्रित कर कृषकों की राय प्राप्त की गयी । जिलेवार सर्वेक्षण आंकडों का विवरण निम्न प्रकार है :–

जिलें का नाम	कुल सर्वेक्षित कृषक	फोनइन कार्यक्रम				
		जानकारी है	क्या यह कार्यक्रम देखा है	क्या कार्यक्रम से संतुष्ट है	दिनांक 27.12.2007 को प्रसारित कार्यक्रम में भाग लिया	क्या प्रश्नों के उत्तर से आप संतुष्ट है
1 अजमेर	76	0	0	0	0	0
2 जयपुर	80	1	1	0	0	0
3 दौसा	40	0	0	0	0	0
4 अलवर	120	6	2	0	0	0

5 भरतपुर	80	17	16	0	0	0
6 धोलपुर	30	0	0	0	0	0
7 स0 माधोपुर	70	4	4	0	0	0
8 करोली	37	2	1	0	0	0
9 कोटा	40	7	7	7	0	0
10 बून्दी	40	10	9	9	0	0
11 बांरा	80	0	0	0	0	0
12 झालावाड	80	27	24	13	2	2
13.टोंक	75	0	0	0	0	0
14 .बांसवाडा	40	0	0	0	0	0
15 डूंगरपुर	40	0	0	0	0	0
16.उदयपुर	80	1	1	0	0	0
17 भीलवाडा	120	2	2	1	0	0
18 चित्तौडगढ	160	22	22	20	0	0
19 राजसमन्द	120	2	2	1	0	0
20 .पाली	120	9	9	0	0	0
21.जालोर	80	2	2	0	0	0
22 .सिरोही	40	4	1	0	0	0
23 .नागोर	40	20	16	16	3	3
24 जोधपुर	35	2	0	0	0	0
25 श्रीगंगानगर	40	9	6	6	0	0
.26 सीकर	80	9	2	0	0	0
27 .झून्झनू	40	5	2	0	0	0
योग	**1883**	161	129	73	5	5

नवांकुर में दिनांक 27.12.2007 को आयोजित फोनइन कार्यक्रम के बारें में केवल 161 (9 प्रतिशत) कृषकों द्वारा बताया गया कि उन्हें इस कार्यक्रम की जानकारी है तथा 129 (7 प्रतिशत) कृषकों द्वारा बताया गया कि उन्होने कभी न कभी इस कार्यक्रम को सुना है, परन्तु कार्यक्रम से संतुष्ट 73 (57 प्रतिशत) कृषक ही पाये गये। हांलाकि केवल 5 कृषकों द्वारा ही यह बताया गया कि दिनांक 27.12.2007 को आयोजित फोनइन कार्यक्रम में उन्होने भाग लिया था तथा सभी पाचों कृषक कार्यक्रम के प्राप्त उत्तरों से संतुष्ट पाये गये।

फोनइन कार्यक्रम के प्रस्तुतिकरण, उपयोगिता, प्रभावशीलता व सामयिकता के बारें में कृषकों की राय निम्न सारणी द्वारा दर्शाया गया है: :–

जिला	कुल सर्वेक्षित कृषक	कृषकों की संख्या जिन्हें कार्यक्रम की जानकारी है	कार्यक्रम को बहुत अच्छा/ अच्छा बताने वाले कृषक			
			प्रस्तुतिकरण	उपयोगिता	प्रभावशीलता	सामयिकता
1	2	3	4	5	6	7
1 अजमेर	76	0	0	0	0	0
2 जयपुर	80	1	0	0	0	0
3 दौसा	40	0	0	0	0	0
4 अलवर	120	6	0	0	0	0
5 भरतपुर	80	17	0	0	0	0
6 धोलपुर	30	0	0	0	0	0
7 सवाई माधोपुर	70	4	4	4	4	4
8 करोली	37	2	0	0	0	0
9 कोटा	40	7	7	7	7	7
10 बून्दी	40	10	5	3	1	1
11 बांरा	80	0	0	0	0	0
12 झालावाड	80	27	15	14	14	15
13.टोंक	75	0	0	0	0	0
14 .बांसवाडा	40	0	0	0	0	0
15 डूंगरपुर	40	0	0	0	0	0
16.उदयपुर	80	1	1	1	1	0
17 भीलवाडा	120	2	0	0	0	2
18 चित्तौडगढ	160	22	14	14	12	13
19 राजसमन्द	120	2	2	2	2	2
20 पाली	120	9	0	0	0	0
21 जालोर	80	2	0	0	0	0
22 सिरोही	40	4	0	0	0	0
23 नागोर	40	20	16	16	16	16
24 जोधपुर	35	2	2	2	2	2
25 श्रीगंगानगर	40	9	0	0	0	0
.26 सीकर	80	9	0	0	0	0
27 झून्झनू	40	5	0	0	0	0
योग	**1883**	161	65	63	59	62

सर्वेक्षित कृषकों में से 161 कृषकों को फोनइन कार्यक्रम की जानकारी होना पाया गया । अतः उनसे इस कार्यक्रम की प्रस्तुतिकरण, उपयोगिता, प्रभावशीलता व सामयिकता के बारे में पूछा गया । 161 में से 65 (40 प्रतिशत) कृषकों की राय में प्रस्तुतिकरण बहुत अच्छा / अच्छा था, इसी प्रकार 63 (39 प्रतिशत) कृषकों की राय में कार्यक्रम उपयोगिता की दृष्टि से बहुत अच्छा / अच्छा था, जबकि 59 (37 प्रतिशत) कृषकों ने प्रभावशीलता व 62 (39 प्रतिशत) कृषकों ने इसे सामयिकता की दृष्टि से बहुत अच्छा/ अच्छा बताया।

सर्वेक्षण आंकडों से ज्ञात होता है कि हांलाकि कृषकों का कार्यक्रम से जुडाव काफी कम है (9 प्रतिशत) पर जो कृषक इस कार्यक्रम को प्रायः देखते/सुनते या भाग लेते है उनमें से लगभग 37–40 प्रतिशत कृषकों की राय में कार्यक्रम प्रस्तुतिकरण, उपयोगिता, प्रभावशीलता व सामयिकता की दृष्टि से बहुत अच्छा/अच्छा है। अतः अधिक कृषकों को इस कार्यक्रम को ओर प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। कृषकों को आकर्षित करने के लिये कार्यक्रम प्रसारण में कैप्सन पर विशेष जोर दिया जावे । फोनइन कार्यक्रम का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जावे तथा यदि संभव हो तो कृषि दर्शन व नवांकुर का फोनइन कार्यक्रम एक ही जगह से प्रसारित हो तथा दोनो का एक ही नम्बर हो ।

(स) खेती री बांता कार्यक्रम

आकाशवाणी द्वारा प्रसारित कार्यक्रम खेती री बांता के मूल्यांकन हेतु दिनांक 22.12.2007 से 28.12.2007 के दोरान प्रसारित फोनइन कार्यक्रम व विशेषज्ञों की राय के बारे में चयनित कृषकों से राय प्राप्त की गयी । इस अवधि में इस कार्यक्रम के अन्तर्गत आकाशवाणी द्वारा फील्ड वेस कृषकों के साक्षात्कार/अनुभवों के रिकार्डिंग का प्रसारण किया गया तथा फसल एवं सब्जी फसलोत्तर प्रबन्धन, राज्य से संतरा/किन्नु के निर्यात की संभावनाऐं से किसान कैसे जुडें तथा दुधारू पशुओं का क्रय करते समय

ध्यान रखने योग्य बाते व मशरूम की खेती से अधिक उत्पादन केसे लेवे के बारें में बताया गया था । सर्वेक्षण आंकडों का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है :–

जिला	कुल सर्वेक्षित कृषक	खेती री बांता कार्यक्रम के बारे में			
		जानकारी है	सुनते है	समय की जानकारी है	समयावधि से संतुष्ट है
1	2	3	4	5	6
1 अजमेर	76	0	0	0	0
2 जयपुर	80	10	2	2	2
3 दौसा	40	1	1	1	1
4 अलवर	120	54	22	22	22
5 भरतपुर	80	25	15	15	12
6 धोलपुर	30	4	1	4	1
7 स0 माधोपुर	70	29	29	29	29
8 करोली	37	10	10	10	10
9 कोटा	40	13	11	10	10
10 बून्दी	40	10	10	10	10
11 बांरा	80	23	23	23	23
12 झालावाड	80	48	40	38	36
13.टोंक	75	15	10	9	9
14 .बांसवाडा	40	3	3	3	3
15 डूंगरपुर	40	4	4	2	2
16.उदयपुर	80	9	9	7	7
17 भीलवाडा	120	38	15	14	14
18 चित्तौडगढ	160	50	40	39	39
19 राजसमन्द	120	23	8	8	8
20 .पाली	120	48	19	19	16
21.जालोर	80	19	14	14	14
22 .सिरोही	40	18	2	2	2
23 .नागोर	40	31	27	27	27
24 जोधपुर	35	33	31	31	31
25 श्रीगंगानगर	40	26	22	22	20
.26 सीकर	80	21	16	16	16
27 .झून्झनू	40	5	3	3	3
योग	1883	570	387	367	357

चयनित 1883 कृषकों में से 570 (30 प्रतिशत) द्वारा बताया गया कि उन्हें खेती री बाता कार्यक्रम की जानकारी है तथा 387 (21 प्रतिशत) कृषकों ने बताया कि वे इस कार्यक्रम को सुनते है । 367 (19 प्रतिशत) कृषकों को प्रसारण समय की जानकारी पायी गयी तथा 357 (19 प्रतिशत) कृषक प्रसारण समयावधि से संतुष्ट पाये गये।

दिनांक 20.12.2007 से 28.12.2008 के दोरान प्रसारित कार्यक्रम के बारें में कृषको की राय :–

जिला	कुल सर्वेक्षित कृषक	कार्यक्रम की जानकारी है	कृषकों की संख्या जिन्होनें कार्यक्रम को बहुत अच्छा/ अच्छा बताया					
			फील्ड बेस कृषकों के साक्षात्कार /अनुभवों के रिकार्डिग का प्रस्ताव	स सप्ताह के कृषि कार्य	फसल एवं सब्जी फसलोत्तर प्रबधन	संतरा / किन्नु के निर्यात बाबत	दुधारू पशुओं का क्रय करते समय ध्यान रखने योग्य बातें	मशरूम की खेती से अधिक उत्पादन कैसे लेवें
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1 अजमेर	76	0	0	0	0	0	0	0
2 जयपुर	80	10	2	2	2	2	2	2
3 दौसा	40	1	0	0	0	0	0	0
4 अलवर	120	54	6	15	4	0	8	0
5 भरतपुर	80	25	0	4	3	0	1	0
6 धोलपुर	30	4	1	1	1	0	0	0
7सवाई माधोपुर	70	29	18	29	24	0	24	0
8 करोली	37	10	10	10	8	6	10	6
9 कोटा	40	13	2	4	1	0	1	1
10 बून्दी	40	10	0	0	9	1	0	0
11 बांरा	80	23	23	23	23	23	21	10
12 झालावाड	80	48	29	31	30	30	26	8
13.टोंक	75	15	3	3	3	0	2	0
14 .बांसवाडा	40	3	0	3	3	0	3	0
15 डूंगरपुर	40	4	0	0	0	0	0	0
16.उदयपुर	80	9	3	1	3	4	4	2
17 भीलवाडा	120	38	13	13	10	3	15	1
18 चित्तौडगढ	160	50	33	33	31	5	22	7
19 राजसमन्द	120	23	0	0	0	0	0	0
20 .पाली	120	48	14	19	7	0	17	0
21.जालोर	80	19	6	14	10	3	10	0
22 .सिरोही	40	18	0	2	0	0	0	0

23 .नागोर	40	31	27	27	27	27	26	26
24 जोधपुर	35	33	5	31	8	0	4	5
25 श्रीगंगानगर	40	26	13	17	13	16	16	8
.26 सीकर	80	21	8	8	7	3	8	2
27 .झून्झनू	40	5	3	10	2	2	1	0
योग	**1883**	**570**	**119**	**299**	**229**	**124**	**219**	**76**

सर्वेक्षण आंकडों से ज्ञात होता है कि कुल सैम्पल साइज 1883 में से जिन 570 कृषकों द्वारा दिनांक 20.12.2007 से 28.12.2007 तक प्रसारित कार्यक्रम सुना उनमें से सर्वाधिक 299 (52 प्रतिशत) कृषकों द्वारा इस सप्ताह के कृषि कार्य कार्यक्रम को बहुत अच्छा / अच्छा बताया गया । 119 (21 प्रतिशत) ने फील्डबेस कृषकों के साक्षात्कार/अनुभवों कार्यक्रम को बहुत अच्छा/अच्छा बताया । 229 (40 प्रतिशत) ने फसल एवं सब्जी फसलोत्तर प्रबन्धन कार्यक्रम को बहुत अच्छा या अच्छा बताया गया । दुधारू पशुओं के क्रय करते समय ध्यान रखने योग्य बातों के बारे में 219 (38 प्रतिशत) कृषकों ने बहुत अच्छा / अच्छा बताया गया । मशरूम की खेती से अधिक उत्पादन कैसे लेवें कार्यक्रम को 76 (13 प्रतिशत) कृषकों ने ही बहुत अच्छा/ अच्छा बताया ।

सर्वेक्षण परिणामों से ज्ञात होता है कि खेती री बांता कार्यक्रम सुनने वाले कृषकों की संख्या अपेक्षाकृत कम है (21 प्रतिशत) परन्तु जो कृषक इसे सुनते है उनमें से काफी बडी संख्या कार्यक्रम से प्रभावित होती है । अतः प्रसारण ऐंजेन्सी एवं विस्तार कार्यकर्ताओं को इस तरफ ध्यान देने कि आवश्यकता हे कि कृषक ज्यादा से ज्यादा संख्या में कार्यक्रम की तरफ आकर्षित हो तथा उससे लाभ प्राप्त करें ।

फोनइन कार्यक्रम के बारे में ।

खेती री बांता कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 22.12.2007 तथा 27.12.2007 को फोनइन कार्यक्रम प्रसारित किया गया । सर्वेक्षण आंकडों के अनुसार फोनइन कार्यक्रम को सुनने वाले तथा इसमें भाग लेने वाले कृषकों का विवरण निम्न प्रकार है :–

जिला	कुल सर्वेक्षित कृषक	दिनांक 22. 12.07 व 27. 12.07 के फोनइन कार्यक्रम को सुना	फोनइन कार्यक्रम में भाग लिया	प्राप्त सुझावों को कियान्वित किया	पूर्व में दिये सुझावों का कभी कियान्वयन किया
1	2	3	4	5	6
1 अजमेर	76	0	0	0	0
2 जयपुर	80	1	0	0	0
3 दौसा	40	0	0	0	0
4 अलवर	120	7	—	0	0
5 भरतपुर	80	3	—	0	5
6 धोलपुर	30	—	—	0	0
7 सवाई माधोपुर	70	—	—	0	17
8 करोली	37	3	—	0	8
9 कोटा	40	2	—	0	1
10 बून्दी	40	9	—	0	3
11 बांरा	80	—	—	0	0
12 झालावाड	80	19	4	4	23
13.टोंक	75	2	2	2	3
14 .बांसवाडा	40	3	—	0	3
.15 डूंगरपुर	40	—	—	0	0
16.उदयपुर	80	1	1	1	1
17 भीलवाडा	120	11	—	0	0
18 चित्तौडगढ	160	28	1	0	23
.19 राजसमन्द	120	1	1	0	0
20 .पाली	120	—	—	0	11
21.जालोर	80	1	—	0	4

22 .सिरोही	40	—	—	0	0
23 .नागोर	40	27	4	4	25
24 जोधपुर	35	—	—	0	3
25 श्रीगंगानगर	40	15	2	2	17
.26 सीकर	80	1	—	0	9
27 .झून्झनू	40	—	—	0	2
योग	1883	134	15	15	158

सर्वेक्षित कृषकों में से 134 (7 प्रतिशत) कृषकों द्वारा बताया गया कि उन्होने इस कार्यक्रम को सुना। जिन 134 कृषकों द्वारा यह कार्यक्रम सुना गया उनमें से 15 (11 प्रतिशत) ने बताया कि उन्होने इस कार्यक्रम में भाग भी लिया तथा सभी 15 कृषकों ने बताया कि उन्होने प्राप्त सुझावों को कियान्वित भी किया। जिन 570 कृषकों को कार्यक्रम की जानकारी थी उनमें से 158 (28 प्रतिशत) ने बताया कि खेती री बांता कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रसारित फोनइन कार्यक्रम में लिये गये सुझावों को उन्होने कभी ना कभी कियान्वित किया है । सर्वेक्षण आंकडों से ज्ञात होता है कि फोनइन कार्यक्रम सुनने वाले कृषकों का प्रतिशत कुल सर्वेक्षित कृषकों का 7 प्रतिशत ही था । अतः यह आवश्यक है कि कार्यक्रम का व्यापक प्रसार–प्रचार कर अधिक से अधिक कृषकों को इससे जोडा जावे ।

— : कार्यक्रम के बारें में कृषकों की राय : —

सर्वेक्षण के दोरान कृषकों से कार्यक्रम के प्रस्तुतिकरण, उपयोगिता, प्रभावशीलता व सामयिकता के बारे में राय ली गयी । सर्वेक्षण के दोरान कृषकों ने बहुत अच्छा/ अच्छा बताया उनका संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है :—

जिला	कुल सर्वेक्षित कृषक	कार्यक्रम की जानकारी रखने वाले कृषक	कार्यक्रम के बारे में राय			
			प्रस्तुतिकरण	उपयोगिता	प्रभावशीलता	सामयिकता
1	2	3	4	5	6	7
1 अजमेर	76	0	0	0	0	0
2 जयपुर	80	10	2	2	2	2
3 दौसा	40	1	0	0	0	0
4 अलवर	120	54	7	7	4	7

5 भरतपुर	80	25	0	0	0	0
6 धोलपुर	30	4	1	1	1	1
7 सवाई माधोपुर	70	29	17	17	17	17
8 करोली	37	10	10	7	8	7
9 कोटा	40	13	10	10	10	10
10 बून्दी	40	10	5	3	1	1
11 बांरा	80	23	23	23	23	23
12 झालावाड	80	48	13	14	13	15
13.टोंक	75	15	2	2	3	3
14 बांसवाडा	40	3	3	2	2	0
15 डूंगरपुर	40	4	1	1	0	1
16.उदयपुर	80	9	1	3	1	1
17 भीलवाडा	120	38	11	10	8	6
18 चित्तौडगढ	160	50	27	12	27	27
19 राजसमन्द	120	23	1	1	1	1
20 पाली	120	48	0	0	11	11
21.जालोर	80	19	0	0	0	0
22 सिरोही	40	18	0	0	0	0
23 नागोर	40	31	27	27	27	27
24 जोधपुर	35	33	7	7	7	7
25 श्रीगंगानगर	40	26	18	18	17	18
.26 सीकर	80	21	0	0	0	0
27 .झून्झनू	40	5	0	0	0	0
योग	**1883**	**570**	**186**	**168**	**186**	**185**

कार्यक्रम की जानकारी रखने वाले 570 कृषकों में से 186 (33 प्रतिशत) कृषक इसके प्रस्तुतिकरण को बहुत अच्छा/ अच्छा मानते है, जबकि 168 (29 प्रतिशत) कृषक कार्यक्रम की उपयोगिता को बहुत अच्छा/ अच्छा मानते है । इसी प्रकार कार्यक्रम की प्रभावशीलता व सामयिकता को भी लगभग 33 प्रतिशत कृषक बहुत अच्छा /अच्छा मानते है ।

7 कार्यक्रम कियान्वयन में कठिनाइयां व सुधार हेतु सुझाव :–

1. कृषि दर्शन का समय साय: 6 बज से 6.30 बजे तक है, जबकि कृषक इस समय कृषि तथा अन्य कार्यो में व्यस्त रहते है । अतः यदि संभव हो तो प्रसारण समय साय: 7 बज से 7.30 बजे तक किया जावे।

2. कृषि दर्शन कार्यक्रम में सफल कहांनिया व फील्ड आधारित कार्यक्रमों पर कम जोर दिया जाता है। अतः इन पर भी विशेष ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है ।
3. कृषि दर्शन कार्यक्रम में एंकर एक ही रखा जावे, ताकि विशेषज्ञों से चर्चा हेतु समयाभाव नहीं हो । एंकर कृषि विषय की योग्यता वाला ही रखा जावे।

4. कृषि समाचार एवं मौसम बुलेटिन वाचन होने का समय कम होता है अतः इसे बढाया जावे।
5. कृषि दर्शन व नंवाकुर द्वारा प्रसारित फोनइन कार्यक्रम में सामजस्य का आभाव है यदि संभव हो तो दोनो के फोनइन कार्यक्रम एक ही नम्बर तथा एक ही समय प्रसारित किया जावे।

6. कृषि दर्शन नंवाकुर, खेती री बांता कार्यक्रम की समय समय पर नियमित रूप से कृषि विभाग तथा कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा की जावे।

7. कार्यक्रम में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, कृषि विपणन पर समान रूप से जोर दिया जावे तथा फसलोत्तर प्रबंधन, मूल्य संवर्धन एवं बाजार व्यवस्था, विपणन पर विशेष जोर दिया जावे।

8. कार्यक्रम समसामयिक एवं मांग के अनुरूप हो इस हेतु कृषि विशेषज्ञों द्वारा कृषि दर्शन नंवाकुर कार्यक्रम की विषयवस्तु तैयार कराई जावे एवं तदनानुरूप कार्यक्रम निर्धारित किया जावे।

कृषि दर्शन के अन्तर्गत दिनांक 24.12.2007 से 28.12.2007 तक प्रसारित कार्यक्रम में दिये गये सुझावों को क्रियान्वित करने वाले कृषकों का जिलेवार विवरण

परिशिष्ठ–1

जिला	कुल सर्वेक्षित कृषक	कृषकों की संख्या जिन्होने सुझावों को क्रियान्वित किया							
		पाले से बचाव		जैविक खाद का उपयोग		संतुलित उर्वरक प्रयोग		पौ.सं.	
		क्रियान्वित किया	भविष्य में भी क्रियान्वित करेगें	क्रियान्वित किया	भविष्य में भी क्रियान्वित करेगें	क्रियान्वित किया	भविष्य में भी क्रियान्वित करेगें	क्रियान्वित किया	भविष्य में भी क्रियान्वित करेगें
अजमेर	76	1	1	0	0	0	0	0	0
जयपुर	80	14	14	0	3	4	0	0	0
दौसा	40	0	0	0	0	0	0	0	0
अलवर	120	1	1	0	0	0	0	0	0
भरतपुर	80	1	1	0	0	0	0	0	0
धोलपुर	30	0	0	0	0	0	0	0	0
स0 माधोपुर	70	0	0	0	0	0	0	0	0
करोली	37	7	4	0	0	0	0	0	0
कोटा	40	0	0	0	0	0	0	0	0
बून्दी	40	0	0	0	0	0	0	13	1
बांरा	80	0	0	0	0	9	9	16	16
झालावाड	80	0	0	0	0	27	2	8	10
टोंक	75	0	0	0	0	0	0	0	0
बांसवाडा	40	0	0	0	0	0	0	0	0
डूंगरपुर	40	0	0	0	0	0	0	0	0
उदयपुर	80	0	0	1	0	1	0	0	0
भीलवाडा	120	2	3	2	2	0	0	9	0
चित्तौडगढ	160	16	6	2	2	0	0	14	7
राजसमन्द	120	1	0	1	1	0	0	2	1
पाली	120	5	5	0	0	2	1	4	6
जालोर	80	5	5	0	0	5	5	5	5
सिरोही	40	2	2	0	0	2	2	3	3
नागोर	40	34	34	0	28	32	0	0	30
जोधपुर	35	0	0	0	0	0	0	2	3
श्रीगंगानगर	40	3	0	0	0	0	0	0	0
सीकर	80	0	0	1	1	0	0	2	1
झून्झनू	40	0	0	1	1	0	0	2	5
योग	1883	92	76	8	38	82	19	80	88